महोत्रावंश कुलदेवता बावा भानूंनाथ महामंत्र

जय बावे दी जय बावे दी,
जय बावे की गायेंगे।
महामंत्र यह बावा जी का,
जपेंगे और जपायेंगे ||

लद्धामल अम्बा का दुलारा,
बुआ जी का भ्राता ।
वंश महोत्रा के कुलदाता,
बावा भानूं नाथा ।।
दीना नगर दरबार बावे का,
जय जयकार बुलायेंगे - महामंत्र यह...

कार्तिक पुनया का यह मेला,
मेला बड़ा विशाल है।
कर दर्शन बावा भानूं का,
तन मन होत निहाल है ।।
सेवा सिमरन कर बावा से,
मुंह मांगा वर पायेंगे - महामंत्र यह..

बावा जी का धागा, रख्ख,
भबूती, भोग प्रसादि ।
दास 'मधुप' दुःख दोष हरे,
हरे पाप ताप व्याधि ॥
जय बावे की गाते गाते,
भव सागर तर जायेंगे - महामंत्र यह...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) (महोत्रा महाजन) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36925/title/Mahotravansh-kuldevta-Bhanunath-mahamantra-jai-bave-di-jai-bave-di

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |